न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) उत्तरकाशी।
प्रर्कीण दीवानी वा0 सं0–05 सन् 2026
रवीन्द्र प्रसाद बनाम पृथ्वी दत्त नैथानी आदि

दिनांक 18.07.2026

पत्रावली पेश हुयी। वाद पुकारा गया। पुकार पर प्रार्थी स्वंय न्यायालय उपस्थित आये। विपक्षी की ओर से विद्वान अधिवक्ता श्रीमती पमिता थपलियाल न्यायालय उपस्थित। पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश नियम 2 पर आदेश हेतु नियत है। प्राथी की ओर से आदेश पत्र के हाशिये पर उक्त वाद में कोई बल नही देने का पृष्ठांकन कर वाद की कार्यवाही को समाप्त किये जाने की याचना की गयी।

सुना एवं पत्रावली का परिशीलन किया।

पत्रावली के परिशीलन से विदित है कि प्रार्थी की ओर से उक्त वाद विपक्षीगण को माननीय न्यायालय द्वारा निष्पादन वाद संख्या–01/2026 रवीन्द्र प्रसाद बनाम अनुराधा आदि मे पारित आदेश दिनांकित 30.04.2026 के अनुपालन मे बाधा डालने एंव न्यायालय क अवमामनाा एंव अवहेलना किये जाने के कारण हेतु योजित किया गया था। चूॅकि प्रार्थी की ओर से आदेश पत्र के हाशिये पर उक्त वाद में कोई बल न दिये जाने का पृष्ठांकन कर वाद की कार्यवाही समाप्त किये जाने की याचना की गयी है, अतः प्रार्थी की ओर से किये गये पृष्ठांकन के आलोक में वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।

पत्रावली नियमानुसार अभिलेखागार संचित हो।

(जयश्री राणा)
सिविल जज (सी0डि0)
उत्तरकाशी।